MEC 110

स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र) उपाधि कार्यक्रम
(MAEC)

सत्रीय कार्य 2026-27
जुलाई 2026 और जनवरी 2027 प्रवेश चक्र के लिए

पाठ्यक्रम कोड : एमईसी 110
पाठ्यक्रम शीर्षक : मुद्रा, वित्तीय संस्थान और बाजार

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली– 110068

एमईसी 110
मुद्रा, वित्तीय संस्थान और बाजार
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य
(2026–27)

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि बीएईसीएच के लिए कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको MEC 110 के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। यह एक शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए) है और इसमें 100 अंक होते है।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। टी एम ए को आपको विभिन्न श्रेणियों के सवालों के ज़वाब देने में सक्षम बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यहां मूल्यांकन आपके उत्तर को व्यस्थित, सटीक और सुसंगत तरीके से प्रस्तुत करने की आपकी क्षमता को ध्यान में रखते हुए किया जाता है।

जमा करना : पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक को जमा करना है।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि है :

31 मार्च 2027 **जून 2027 सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए**

30 सितंबर 2027 **दिसंबर 2027 सत्रांत परीक्षा में उपस्थित होने वाले छात्रों के लिए**

एमईसी 110 : मुद्रा, वित्तीय संस्थान और बाजार
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः एमईसी 110
सत्रीय कार्य कोडः एएसटी/टीएमए/2026-27
कुल अंक : 100

सत्रीय कार्य-1

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होता है। **2x20=40 अंक**

1) पूंजी परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण मॉडल (Capital Asset Pricing Model - CAPM) की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। अर्थव्यवस्था में पूंजी परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण मॉडल के महत्व एवं भूमिका की चर्चा कीजिए।

2) (क) पोर्टफोलियो का मूल्यांकन कैसे किया जाता है? इसके मूल्यांकन को प्रभावित करने वाले कारक कौन–कौन से हैं?

(ख) मार्कोविट्ज़ के पोर्टफोलियो सिद्धांत (Markowitz Portfolio Theory) के प्रमुख बिंदु क्या हैं? इसकी कुछ सीमाओं की चर्चा कीजिए।

सत्रीय कार्य-2

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का होता है। **5x12=60 अंक**

3) वित्तीय एवं आर्थिक कारक किसी संकट (Crisis) के दौरान किस प्रकार परस्पर क्रिया करते हैं? मंदी से निपटने के लिए किन नीतिगत उपायों का उपयोग किया जा सकता है?

4) अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाजारों में विनिमय दरों के महत्व की चर्चा कीजिए।

5) मुद्रा बाजार के विभिन्न साधनों में विविधता लाने तथा उन्हें सुदृढ़ बनाने के लिए भारतीय रिज़र्व बैंक ने कौन–कौन से सुधारात्मक उपाय अपनाए हैं?

6) ब्लैक–शोल्स विकल्प मूल्य निर्धारण मॉडल (Black-Scholes Option Pricing Model) को एक उदाहरण सहित समझाइए।

7) निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) परिपक्वता तक प्रतिफल (Yield to Maturity)

(ख) वायदा एवं अग्रिम अनुबंध (Futures and Forwards)

(ग) कुशल बाजार परिकल्पना (Efficient Market Hypothesis)

(घ) स्वैप्स (Swaps)